ई.एस.ओ.-15

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(जनरल एंव आनर्स)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 और जनवरी 2026
योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : ई एस ओ-15
समाज और धर्म

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राश्ट्रीय मुक्त वि”वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

ई एस ओ-15 समाज और धर्म

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम.निर्देि"ाका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।
आपको एक 6 क्रेडिट पाठय क्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठय क्रम के लिए 2 ि"ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके पाठयक्रम **ई एस ओ-15 समाज और धर्म** का ि"ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है। यह पाठय क्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 2 ि"ाक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य हैं जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य–I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इन का प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य–II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य–III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यान पूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लखे ान; कौशल में सुधार होगा तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे। जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रेल 2026	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	31 अक्टूबर 2026	

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आ"ाा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों में दिये गये सभी प्र"नों के उत्तर दिये गये निर्दे"ाों के अनुसार देंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन** : प्र"नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्र"न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन** : अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और वि"लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर वि"ाेष ध्यान दें।

सुनि"चत करें कि आप के उत्तर :

(क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

(ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

(ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तरों से स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ.साफ लिखें, जहाँ आव"यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

शुभकामनाओं के साथ !!!

लोक प्रशासन

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

ई एस ओ-15

समाज और धर्म

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : ई.एस.ओ.-15
सत्रीय कार्य कोड :ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2025–जनवरी– 2026
पूर्णांक : 100

सत्रीय कार्य I

निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। अंक

1. धर्म के विकासवादी सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। 20

2. धर्म के प्रति इवांस-प्रिचार्ड (Evans-Pritchard) के दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए। 20

सत्रीय कार्य II

निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. सामाजिक परिवर्तन लाने में संप्रदायों (cults) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 12

4. धर्म और अर्थव्यवस्था के बीच संबंध को लेकर वेबर (Weber) की समझ की व्याख्या कीजिए। 12

5. धर्मनिरपेक्षता (Secularism) और धर्मनिरपेक्षीकरण (Secularization) में अंतर कीजिए। 12

6. उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन की सामाजिक पृष्ठभूमि की व्याख्या कीजिए। 12

सत्रीय कार्य III

निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. पुरोहित (Priest) कौन होता है? 06

8. वैन जेनेप (Van Gennep) के अनुसार 'संक्रमण संस्कार' (Rites of Passage) क्या होते हैं? 06